हिन्दी विभाग
गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार

B.A. (Hindi) – BHL (Three Year Degree Programme)

Programme Outcomes:-

(POs)

- साहित्य के दृष्टिकोण को समझने में सक्षम होंगे.
- भाषिक संरचना से परिचित होंगे.
- अनुवाद विज्ञान की समझ बढेगी.
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग की जानकारी होगी.
- भाषा शिक्षण एवं मीडिया अनुप्रयोग का विकास होगा.
- सर्जनात्मक कौशल का विकास होगा.
- हिंदी गद्य साहित्य के इतिहास की समझ बढेगी.
- भारतीय नवजागरण के स्वरूप से परिचित होंगे.
- मध्यकालीन संस्कृति,समाज और साहित्यिक दृष्टिकोण की परख होगी.
- हिंदी भाषा के कार्यालयी अनुप्रयोग की जानकारी होगी.

Course Outcomes:-

बीए हिंदी

हिंदी साहित्य का इतिहास

BHL-C-111

(COs)

- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा से परिचित होंगे.
- साहित्य के आदिकालीन स्वरूप का ज्ञान होगा.
- मध्यकलीन समाज बोध और साहित्य के मूल्यांकन में सक्षम होंगे.
- औपनिवेशिक साहित्य के स्वरूप का बोध होगा.
- नवजागरण और उसके विविध पहलुओं का ज्ञान होगा.
- आधुनिक गद्य विधाओं का बोध होगा.

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

BHG-C-111/211

(COs)

- भाषा सम्प्रेषण के विविध रूपों का बोध होगा.
- मातृभाषा और अन्य भाषाओं के अंतर की जानकारी होगी.
- हिंदी की व्याकारणिक संरचना के अनुप्रयोग से परिचित होंगे.
- शब्दों की उच्चारण तकनीक का इस्तेमाल करने में सक्षम होंगे.
- भाषा के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा.

व्यावहारिक हिंदी

BHG-A-111 BHG-A-211

(COs)

- हिंदी वर्णमाला की संरचना एवं उसके भेद-प्रभेद का बोध होगा.
- हिंदी के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी होगी.
- संधि के विविध प्रकार एवं उनकी संयोजन-विच्छेदन प्रक्रिया की जानकारी होगी.
- हिंदी वाक्य संरचना संबंधी त्रुटियों के विश्लेषण में सक्षम होंगे.
- टिप्पणी लेखन की जानकारी होगी.

मध्यकालीन हिंदी कविता

BHL-C-211

(COs)

- मध्यकालीन साहित्य के विविध पहलुओं का बोध होगा.
- तुलसीदास के साहित्यिक मूल्यों से परिचित होंगे.
- भक्तिकालीन दर्शन और मूल्यबोध से अवगत होंगे.
- मध्यकालीन भाषायी स्वरूप एवं उसके विवेचन-विश्लेषण में सक्षम होंगे.
- भूषण के काव्य में व्याप्त राष्ट्रीय-चेतना से परिचित होंगे.

आधुनिक हिंदी कविता

BHL-C-301

(COs)

- भारतेंदुयुगीन नवजागरण के स्वरूप के विश्लेषण में कुशल होंगे.
- मुक्तछंद की अवधारणा और निराला के साहित्य का विवेचन-विश्लेषण संभव होगा.
- प्रगतिवादी आन्दोलन और नागार्जुन के वैचारिक पक्ष को समझेंगे.
- मैथिलीशरणशरण गुप्त के काव्य में व्याप्त राष्ट्रीय-चेतना की जानकारी होगी.
- आधुनिकता बोध और समकालीन साहित्य की समझ का विकास होगा.

कार्यालयी हिंदी

BHL-S-311

(COs)

- कार्यालयी हिंदी के अनुप्रयोग की जानकारी होगी.
- कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग की विधियों से परिचित होंगे.
- आधुनिक यांत्रिक उपकरणों का प्रयोग और उपयोग संभव होगा.
- संक्षेपण विधा के अनुप्रयोग की क्षमता विकसित होगी.
- गूगल प्लेटफार्म से शिक्षा प्रणाली की तकनीक का उपयोग होगा.

आधुनिक भारतीय भाषा हिंदी
BHG-C-301/BHG-C-401
(COs)

- कबीर की सामाजिक चेतना से अवगत होंगे.
- मध्यकालीन भाषिक चेतना के स्वरूप की जानकारी होगी.
- आधुनिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान होगा.
- प्रगतिशील साहित्यिक चेतना की अवधारणा की समझ विकसित होगी.
- राष्ट्रीय काव्य-चेतना के विवेचन विश्लेषण में सक्षम होंगे.

हिंदी गद्य साहित्य
BHL-C-401
(COs)

- मनोवैज्ञानिक,यथार्थवादी और आदर्शवादी साहित्य की वैचारिकी से परिचित होंगे.
- निबंध कला और निबंधकारों के दृष्टिकोण की समझ व लेखन कला का विकास होगा.
- जैनेन्द्र की औपन्यासिक सर्जना व विषयवस्तु की जानकारी होगी.
- कहानी के समीक्षा कौशल का विकास होगा.
- हिंदी निबंध के उद्भव और विकास से परिचित होंगे.

भाषा शिक्षण
BHL-S-401
(COs)

- भाषा शिक्षण अनुप्रयोग और विधि को सीखेंगे.
- भाषा के विविध कौशलों का अनुप्रयोग संभव होगा.
- कम्प्यूटर के अनुप्रयोग और भाषिक समझ का विकास होगा.
- शैलीवैज्ञानिक आलोचना के प्रतिमानों की जानकारी होगी.
- हिंदी भाषा के शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन संभव होगा.

भाषा कम्प्यूटिंग
BHL-S-501
(COs)

- कम्प्यूटर के अनुप्रयोग से परिचित होंगे.
- सूचना प्रौद्योगिकी की तकनीक का इस्तेमाल होगा.
- आधुनिक संचार व्यवस्था का ज्ञान होगा.
- मशीनी अनुवाद के प्रयोग में सक्षम होंगे.
- हिन्दी ब्लॉग पर लेखन कौशल का विकास होगा.

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

BHL-E-501

(COs)

- निराला के साहित्य के विविध प्रतिमानों की जानकारी होगी.
- बिल्लेसुर बकरिहा के माध्यम से सामाजिक संरचना का बोध होगा.
- कविता की मुक्ति और निराला के मुक्त छन्द से परिचित होंगे.
- निराला की कविता के आशय का ज्ञान होगी.
- निराला की कविता में वर्णित व्यंग्य की जानकारी होगी.

संपादन कला

BHL-G-501

(COs)

- संपादन कला सीखने में सक्षम होंगे.
- पत्रकारिता की कार्यप्रणाली की जानकारी होगी.
- प्रिंट मीडिया और दृश्य-श्रव्य मध्यमों का अनुप्रयोग संभव होगा.
- सामग्री संकलन और मुद्रण प्रविधि का बोध होगा.
- समाचार निर्माण करना सीखेंगे.

समाचार संकलन और लेखन

BHL-S—601

(COs)

- समाचार लेखन में कुशल होंगे.
- रिपोर्टिंग के विविध आयामों की जानकारी होगी.
- खेल पत्रकारिता के कार्यक्षेत्रों से परिचित होंगे.
- आपदा प्रबंधन में मीडिया के सहयोगात्मक पक्ष जानकारी होगी.
- मानवाधिकार और मीडिया प्रबंधन का ज्ञान होगा.

सर्जनात्मक लेखन

BHL-G-601

(COs)

- रिपोर्ताज लेखन की प्रविधि का ज्ञान होगा.
- फ़ीचर लेखन की क्षमता विकसित होगी.
- साक्षात्कार प्राविधि और अनुप्रयोग के औचित्य की जानकारी होगी.
- पुस्तकीय समीक्षा की क्षमता विकसित होगी.
- पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों का बोध होगा.

तुलसीदास
BHL-E-601
(COs)

- तुलसी के काव्य मर्म की जानकारी होगी.
- तुलसी की लोकमंगल भावना का बोध होगा.
- तुलसी की समन्वयवादी विचारधारा से परिचित होंगे.
- विनयपत्रिका की विषयवस्तु का मूल्यांकन संभव होगा.
- तुलसी की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी होगी.

एम.ए. हिंदी साहित्य (MHL)
(Two Year Master Degree Programe)
(POs)

Programme Outcomes:-

- हिन्दी साहित्य की समझ और आलोचकीय दृष्टि का विकास होगा.
- हिन्दी साहित्य के प्राचीन और आधुनिक विधाओं से परिचित होंगे.
- भाषिक संरचना का विवेचन और विश्लेषण कर पाएंगे.
- अनुवाद और पत्रकारिता जैसे आधुनिक विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर उनका रोजगारपरक अनुशीलन संभव होगा.
- साहित्यिक कृतियों का विभिन्न दृष्टिकोण से विवेचन- विश्लेषण संभव होगा.
- भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा से परिचित होंगे.
- पाश्चत्य विद्वानों के काव्यशास्त्रीय अवधारणा की समझ विकसित होगी.
- इतिहास लेखन के भारतीय दृष्टि से परिचित होंगे.
- भाषा शिक्षण के विविध कौशलों का विकास संभव होगा.
- हिंदी कथा आलोचना का गुण सीखेंगे.

Course Outcomes:-

द्विवेदीयुगीन एवं छायावादी काव्य
MHL C111
(COs)

- साकेत के काव्य-सौष्ठव की जानकारी होगी.
- कामायनी में वर्णित विविध मूल्यों का बोध होगा.
- निराला रचित राम की शक्ति पूजा में विवेचित मानवीय मूल्यों का बोध होगा.
- पन्त के काव्य में वर्णित प्रकृति चित्रण का बोध होगा
- हरीऔध, नाथूराम शर्मा, रत्नाकर एवं महादेवी वर्मा के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व से परिचित होंगे.

कथेतर गद्य साहित्य
MHL C112
(COs)

- चन्द्रगुप्त के काव्य में वर्णित राष्ट्रवादी चेतना से परिचित होंगे.
- आधे-अधूरे उपन्यास के माध्यम से मध्यवर्गीय समाज की विद्रूपताओं का बोध होगा.
- संकलित निबंधों के आधार पर निबंधकारों की भावात्मक एवं शैलीगत विशेषताओं से परिचित होंगे.
- संस्मरण तथा रेखा चित्र के मध्य अन्तर की जानकारी होगी.
- अंधेर नगरी नाटक के आधार पर शासन व्यवस्था एवं उसके सामाजिक प्रभाव से परिचित होंगे.

भारतीय काव्य शास्त्र

MHL C113

(COs)

- भारतीय काव्य शास्त्र के उद्भव और विकास का बोध होगा.
- रस सिद्धांत के तत्वों से परिचित होंगे.
- अलंकारों एवं उसके विविध रूपों का बोध होगा.
- ध्वनि सिद्धांत के प्रमुख रूपों की जानकारी होगी.
- संकलित आलोचकों की वैचारिक पृष्ठभूमि और उनकी सामाजिक दृष्टि से परिचित होंगे.

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

MHL C114

(COs)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की विकास यात्रा से परिचित होंगे.
- आदिकाल एवं रीतिकाल के नामकरण तथा काल विभाजन की समझ विकसित होगी.
- सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो काव्य की विशेषताओं का बोध होगा.
- भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि एवं वैचारिकी का बोध होगा.
- रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध काव्य परम्परा से परिचित होंगे.

छायावादोत्तर काव्य

MHL C 211

(COs)

- नागार्जुन की कविताओं में वर्णित यथार्थबोध से परिचित होंगे.
- अज्ञेय के काव्य में वर्णित प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी तत्त्वों का बोध होगा.
- मुक्तिबोध के काव्य में वर्णित फैंटेसी की जानकारी होगी.
- धूमिल की काव्य चेतना एवं उसकी भाषायी पटुता की जानकारी होगी.
- त्रिलोचन के कवि कर्म को समझ विकसित होगी.

कथा साहित्य

MHL C 212

(COs)

- उपन्यास गोदान में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे.
- बाणभट्ट की आत्मकथा के माध्यम से हर्ष कालीन सांस्कृतिक,सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों का बोध होगा.
- अमरकान्त के कथा साहित्य में वर्णित मध्यवर्गीय चरित्र एवं विशेषताओं की जानकारी होगी.
- संकलित कहानियों के माध्यम से उनकी विषय-वस्तु एवं शिल्प विधान से परिचित होंगी.
- उपन्यास एवं कहानियों के पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं की जानकारी हो सकेगी.

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

MHL C 213

(COs)

- प्लेटो एवं अरस्तु के काव्य सिद्धांतों का बोध होगा.
- लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत की जानकारी प्राप्त होगी.
- विलियम वर्ड्सवर्थ एवं कालरिज़ की भाषायी विशेषताओं का बोध होगा.
- रिचर्ड्स की व्यवहारिक समीक्षा पद्धति से परिचित होंगे.
- अभिव्यंजनावाद, स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद एवं अन्य प्रमुख वादों की विचारधाराओं का बोध होगा.

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल तक)

MHL C 214

(COs)

- नव जागरणकाल के उदय के कारण एवं उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे.
- भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी होगी.
- छायावाद एवं प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताओं का बोध होगा.
- प्रगतिवाद के उत्पत्ति के कारणों की जानकारी होगी .
- प्रयोगवाद के आधार पर नई कविता के विषय-वैविध्य की जानकारी होगी.

प्राचीन एवं निर्गुण भक्ति काव्य

MHL C 311

(COs)

- पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता एवं भाषा शैली को समझ विकसित होगी.
- विद्यापति के काव्य में वर्णित श्रृंगारिकता एवं भाषायी विशेषता का बोध होगा.
- कबीर की विचारधारा एवं भाषा शैली का बोध होगा.
- पद्मावत महाकाव्य में वर्णित सौन्दर्य की जानकारी होगी.
- सरहपा ,रैदास एवं नानक के व्यक्तित्व/कृत्तित्व का बोध होगा.

सगुण भक्ति काव्य

MHL C 312

(COs)

- भ्रमर गीत सार के माध्यम से कवि सूरदास के वात्सल्य प्रेम का बोध होगा.
- तुलसी के रामचरित मानस में वर्णित समन्वयवाद की परिकल्पना का बोध होगा.
- मीराबाई की भक्ति भावना की जानकारी होगी.
- रसखान की काव्यगत विशेषताओं का बोध होगा.
- नंददास, हितहरिवंश एवं रहीम की कृतियों की सामान्य जानकारी होगी.

भाषा विज्ञान
MHL E 313
(COs)

- भाषा के अर्थ स्वरूप एवं संरचना की जानकारी होगी.
- स्वन विज्ञान की अवधारणा का बोध होगा.
- रूप प्रक्रिया के स्वरूप एवं व्याकरणिक कोटियों की जानकारी होगी.
- वाक्य की संरचना का बोध होगा.
- शैली विज्ञान और कोश विज्ञान की विविध शाखाओं का बोध होगा.

भारतीय साहित्य
MHL-E-314
(COs)

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित होंगे.
- भारतीय साहित्य की विभिन्न विधाओं का बोध होगा.
- तुलनात्मक अध्ययन की समझ बढेगी.
- हिंदी एवं मराठी साहित्य के भक्तिकालीन स्वरूप का अध्ययन संभव होगा.
- अन्य भाषाओं के साहित्यकारों के साहित्य का विवेचन-विश्लेषण संभव होगा.

भाषा शिक्षण
MHL-E-315
(COs)

- भाषा शिक्षण के अध्ययन और प्रणाली का बोध होगा.
- मातृभाषा के शिक्षण और अन्य भाषा शिक्षण की कठिनाईयों को समझेंगे.
- भाषा कौशल के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन संभव होगा.
- त्रुटि विश्लेषण और व्यतिरेकी विश्लेषण को समझ विकसित होगी.
- वर्तनीगत अशुद्धियों का निवारण होगा.

प्रयोजनमूलक हिंदी
MHL-E-316
(COs)

- भाषा के विविध रूपों की समझ बढेगी.
- हिंदी पत्रकारिता का ऐतिहासिक विवेचन संभव होगा.
- विभिन्न संचार माध्यमों और प्रविधियों से परिचित होंगे.
- संवाद लेखन एवं विज्ञापन के प्रमुख भाषाई रूपों से परिचय होगा.
- अनुवाद के स्वरूप और प्रक्रिया के पक्ष को समझ पाएंगे.

नाटक और रंगमंच

MHL-E-317

(COs)

- नाटकीय मंचन के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे.
- भारतीय रंगमंच और पाश्चात्य रंग दृष्टि का बोध होगा.
- अभिनेयता की दृष्टि से नाटक को समझ पाएंगे.
- भारतीय लोकवादी दृष्टि से परिचित होंगे.
- हिंदी साहित्य के विभिन्न नाटकों का विवेचन-विश्लेषण कर पाएंगे.

दृश्य-श्रव्य लेखन माध्यम

MHL-E-318

(COs)

- दृश्य-श्रव्य लेखन की मूलभूत प्रणाली का अध्ययन संभव होगा.
- रेडियो नाटक के प्रमुख भेदो से अवगत होंगे.
- डाक्युमेंट्री निर्माण की समझ बढेगी.
- हिंदी सिनेमा की प्रविधि की जानकारी होगी.
- आधुनिक संचार माध्यमों का अध्ययन होगा.

हिंदी भाषा

MHL-E-412

(COs)

- आर्य भाषाओं के अंतर्गत वैदिक एवं लौकिक संस्कृति की भाषाई विशेषता का ज्ञान होगा.
- हिंदी की उपभाषाओं एवं उनके भौगोलिक विस्तार से अवगत होंगे.
- स्वनिम व्यवस्था एवं हिंदी शब्द संरचना से परिचित होंगे.
- कम्प्यूटर का परिचय एवं हिंदी में उसके अनुप्रयोग को सीखेंगे.
- हिंदी लिपि के महत्वपूर्ण पक्ष को जानेंगे.

विशेष अध्ययन

सूरदास

MHL-E-413

(COs)

- भक्तिकाल के सन्दर्भ में सूरदास के काव्यगत मूल्यों को समझेंगे.
- सूरदास के वात्सल्य वर्णन की जानकारी होगी.
- भ्रमरगीत परम्परा में सूरदास के काव्य का विश्लेषण संभव होगा.
- अष्टछाप में सूरदास के महत्त्व से अवगत होंगे.
- सूरदास की प्रगीत योजना के विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी.

विशेष अध्ययन
तुलसीदास
MHL-E-414
(COs)

- रामचरित मानस के माध्यम से तुलसी की काव्य शैली और समन्वयवाद की जानकारी होगी.
- कवितावाली में सौन्दर्य के विविध पक्षों का बोध होगा.
- तुलसीदास के दार्शनिक चिन्तन का अध्ययन एवं विश्लेषण संभव होगा.
- गीतावली के काव्यगत सौन्दर्य का बोध होगा.
- तुलसीदास के लोकनायकत्व की अवधारणा से परिचित होंगे.

विशेष अध्ययन
भारतेंदु हरिश्चंद्र
MHL-E-415
(COs)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटकों में व्याप्त राष्ट्रीय चेतना की जानकारी होगी.
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के निबंधों के माध्यम से नवजागरण की अवधारणा से परिचित होंगे.
- भारतेंदु हरिश्चंद्र के साहित्य में अंतर्निहित सामाजिक मूल्यों से अवगत होंगे.
- भारतेंदु कालीन पत्रकारिता से परिचित होंगे.
- आधुनिक काल के गद्य साहित्य का विवेचन-विश्लेषण करने में सक्षम होंगे.

विशेष अध्ययन
पत्रकारिता प्रशिक्षण
MHL-E-416
(COs)

- हिंदी पत्रकारिता के ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि से अवगत होंगे.
- समाचार संकलन और लेखन में निपुण होंगे.
- समाचार मुद्रण और पेज मेकिंग कौशल का विकास होगा.
- भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों और मीडिया की भूमिका से परिचित होंगे.
- सोशल मीडिया के दयिव्यों का बोध होगा.

विशेष अध्ययन
लोक साहित्य
MHL-E-417
(COs)

- लोक साहित्य की अवधारणा की जानकारी होगी.
- भारतीय लोक साहित्य की वाचिक परम्परा से अवगत होंगे.
- लोक साहित्य के अध्ययन प्रक्रिया में होने वाले विविध समस्याओं से परिचित होंगे.
- लोक साहित्य के विविध रूपों का अध्ययन संभव होगा.
- जनपदीय भाषाओं के आधार पर लोक साहित्य के महत्व को समझाने में आसानी होगी.

विशेष अध्ययन
अनुवाद विज्ञान
MHL-E-418
(COs)

- अनुवाद के सिद्धान्त और कार्य प्रणाली से अवगत होंगे.
- शब्दानुवाद और भावानुवाद की समस्या का निराकरण होगा.
- अनुवाद की समस्याओं का निदान होगा.
- अनुवाद के माध्यम रोजगार के अवसर तलाश पाएंगे.
- अनुवाद कौशल का विकास होगा.

पी. जी. डिप्लोमा हिंदी पत्रकारिता (DPJ)

(One Year PG Diploma Programme)

Programme Outcomes:-

(POs)

- हिन्दी पत्रकारिता की विकास यात्रा का बोध विकसित होगा.
- न्यू मीडिया एवं डिजिटल मीडिया के नूतन क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त होगी.
- रिपोर्ट लेखन,संपादन कला का विकास संभव होगा.
- ब्लॉग लेखन से सामाजिक सरोकार में भागीदारी कर सकते हैं.
- भारतीय एवं विश्व पत्रकारिता के इतिहास की जानकारी होगी.
- पत्रकारिता के विविध पक्षों की जानकारी संभव होगी.
- कंप्यूटर और पत्रकारिता के अंतर-सम्बन्धों की जानकारी प्राप्त होगी.
- पत्रकारिता के मध्यम से बाजारीकरण के स्वरूप को समझने में आसानी होगी.
- फोटो पत्रकारिता के कार्यक्षेत्र और चुनौतियों की जानकारी होगी.
- जनसंचार माध्यम और सोशल मीडिया की नूतन प्रवृत्तियों का बोध होगा.

Course Outcomes:-

हिंदी पत्रकारिता ऐतिहासिक संदर्भ

DPJ-C-101

(COs)

- संचार के माध्यम के रूप में भाषा का विकास संभव होगा.
- भाषाई पत्रकारिता के विकास में विभिन्न विद्वानों के योगदान की जानकारी होगी.
- आर्य समाज का हिंदी पत्रकरिता में योगदान से अवगत होंगे.
- हिंदी के विभिन्न समाचार -पत्रों के बारे में जानकारी होगी.
- प्रूफ रीडिंग के मानकों से परिचित होंगे.

जनसंचार अवधारणा एवं विकास प्रक्रिया

DPJ-C-101

(COs)

- सैद्धांतिक और व्यावहारिक मीडिया के अनुप्रयोग को सीखने में सक्षम होंगे.
- संचार की कार्यप्रणाली को समझने में सुगमता होगी.
- सोशल मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी होगी.
- लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका की जानकारी होगी.
- मीडिया की वर्तमान स्थिति का ज्ञान होगा.

हिंदी पत्रकारिता और प्रेस विधि

DPJ-C-103

(COs)

- संवैधानिक अधिकार और मीडिया के कर्त्तव्यों का बोध होगा.
- प्रेस एवं पुस्तकीय अधिनियमों की जानकारी होगी.
- मीडिया और विधि के अंतर्सम्बन्धों की समझ विकसित होगी.
- इन्टरनेट पत्रकरिता के गुणों को सीखने में सक्षम होंगे.
- उदारीकरण के दौर में हिंदी पत्रकारिता के विकास की जानकारी होगी.

पत्रकारिता और कम्प्यूटर अनुप्रयोग

DPJ-C-104

(COs)

- सूचना अनुप्रयोग के सिद्दांत को जानेंगे.
- डिजिटल प्लेटफार्म पर मीडिया के अनुप्रयोग के सिद्दांत को सीखेंगे.
- मशीनी साफ्टवेयर और अनुप्रयोग से परिचित होंगे.
- वेबसाइट निर्माण की तकनीक सीख पाएंगे.
- सोशल मीडिया के व्यवहारिक अनुप्रयोग एवं आचार संहिता को जानेंगे.

परियोजना कार्य एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण

DPJ-151

(COs)

- लेखन कौशल का विकास होगा.
- इंटरनेट ब्लाग या किसी सोशल साईट पर पेज निर्माण और लेखन कर पायेंगे.
- मीडिया प्रशिक्षण से रोजगार के अवसर बढेंगे.
- समीक्षा लेखन में कुशल होंगे.
- मीडिया के वर्तमान वस्तुस्थिति की जानकारी होगी.

रिपोर्टिंग एवं पत्रकारिता के विविध रूप

DPJ-C-201

(COs)

- समाचार के मूलभूत तत्वों और आधारभूत संरचना की जानकारी होगी.
- पत्रकारिता के विविध क्षेत्रों और तकनीक का बोध होगा.
- खोजी पत्रकारिता-विज्ञान,खेल,वाणिज्य रिपोर्टिंग का कला विकसित होगी.
- भारत में स्वास्थ्य पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति का ज्ञान होगा.
- संवाद समितियों विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे.

संपादन कला

DPJ-C-202

(COs)

- समाचार संपादन की कार्यप्रणाली सीखेंगे.
- समाचार लेखन में शीर्षक के महत्त्व और उपयोगिता को सीखेंगे.
- समाचार की संरचना में नैतिक मूल्य का विवेचन कर पायेंगे.
- पेज मेकअप के सिद्धांत को जान पाएंगे.
- दृश्य लेखन और श्रव्य लेखन करना सीखेंगे.

विज्ञापन प्रविधि एवं जनसंपर्क

DPJ-C-203

(COs)

- विज्ञापन का जीवन पर प्रभाव का विश्लेषण कर संभव होगा.
- विज्ञापन की आचार संहिता के पक्ष को समझेंगे.
- जनसंपर्क के ऐतिहासिक विकास क्रम का विवेचन संभव होगा.
- मीडिया लाबिंग दिशा बोध की जानकारी होगी.
- जनसंपर्क उपकरण-प्रेस विज्ञप्ति,प्रेस वार्त्ता,प्रेस ब्रीफ आदि के अनुप्रयोग को सीखेंगे.

हिंदी प्रसारण पत्रकारिता

DPJ-C-204

(COs)

- रेडियो पत्रकारिता के प्रकार एवं प्रभावों की जानकारी होगी.
- रेडियो स्क्रिप्ट लेखन की क्षमता विकसित होगी.
- दृश्य पत्रकारिता लेखन सीख पाएंगे.
- वेबसीरिज लेखन संबंधी प्रणाली को जान पाएंगे.
- सोशल मीडिया जीवन के लिए अनिवार्य है.इस पहलू से अवगत होंगे.

परियोजना कार्य एवं मौखिकी

DPJ-251

(COs)

- अनुवाद की कार्यप्रणाली को सीखेंगे.
- विज्ञापन में अवसरों की तलाश संभव होगी.
- श्रव्य-दृश्य लेखन से मीडिया में अवसर उपलब्ध होंगे.
- लेखन में सामग्री संकलन निर्माण संभव होगा.
- मानवाधिकार और कर्तव्य से जुड़े मामलों से अवगत होंगे.